विकास

सरकारी और गैर सरकारी भवनों को भी सौर ऊर्जा से संतृप्त करने की मुहिम तेज

सोलर सिटी के बाद सोलर विलेज की कवायद

आदर्श शुक्ल

अयोध्या। सोलर सिटी के बाद अब अयोध्या ने सोलर विलेज की तरफ कदम बढ़ा दिया है। इसके लिए पहले चरण में जिले के 56 ग्राम पंचायत भवनों पर सोलर पैनल लगा दिए गए हैं। दूसरे चरण में 250 ग्राम पंचायत भवनों को सोलर पैनल से लैस करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद अंतिम चरण में बचे हुए 466 गांवों के पंचायत भवनों को भी सौर ऊर्जा से जगमग किया जाएगा।

खास खबर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत रामनगरी देश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रही है। यहां सड़कों और गलियों की प्रकाश व्यवस्था के साथ सरकारी और गैर सरकारी भवनों को भी सौर ऊर्जा से संतृप्त करने की मुहिम तेज गति से आगे बढ़ रही है। अब इसी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों की ओर रूख किया गया है। सबसे पहले ग्राम पंचायत भवनों की पारंपरिक बिजली आपूर्ति पर निर्भरता को पूरी तरह से खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके लिए जिले के सभी 772 गांवों के पंचायत भवनों में बिजली आपूर्ति का माध्यम सोलर पैनल को बनाने की कार्ययोजना पर अमल शुरू हो गया है। यूपीनेडा की मदद से सभी ग्राम पंचायतों में एक किलोवाट के सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से बिजली का उत्पादन होगा।

पहले चरण में 56 ग्राम पंचायत भवनों पर लगाए गए सोलर पैनल, दूसरे चरण के लिए 250 का लक्ष्य तय, सभी 772 गांवों के पंचायत भवन होंगे संतृप्त

ग्राम पंचायत भवनों का बिजली बिल बकाया होने की समस्या होगी दूर

इस बारे में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने अमर उजाला को बताया कि सोलर ऊर्जा के माध्यम से ग्राम पंचायत भवनों को 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इस समय तमाम ग्राम पंचायत भवनों का बिजली बिल बकाया होने की भी समस्या है। नई व्यवस्था के प्रभावी होने से इसका भी निराकरण हो जाएगा। साथ ही यह परियोजना सोलर सिटी के सपने को विस्तार देने के साथ इसे साकार करने में मददगार बनेगी। जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश कुमार के अनुसार पहले चरण का प्रोजेक्ट पूरा हो गया है। अब दूसरे चरण का काम शुरू हो गया है।